


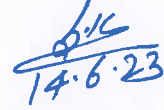
**A सेमेस्टर-I (MDC-I)**

- (क) अस्मिता मूलक विमर्श आरो अंगिका साहित्य  
(ख) अंगिका साहित्य में राष्ट्रिय परक रचना सिनी

**B सेमेस्टर-II (MDC-II)**

- (क) अंगिका साहित्य में दिवंगत साहित्कार सिनी करो योगदान  
(ख) प्राचीन विक्रमशिला आरो बाबा अजगैबीनाथ धाम करो ऐतिहासिकता

  
14.06.23

  
14.6.23

# तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर-812007



यू० जी०सी० निर्देशानुसार मानविकी संकाय अंतर्गत अंगिका भाषा साहित्य हेतु चार वर्षीय स्नातक प्रीतिष्ठा के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम |

## सेमेस्टर-II (MDC-II)

(क) अंगिका साहित्य में दिवंगत साहित्यकार सिनी केरो योगदान

समय-3 घंटा

पूर्णांक-100

# अंक वितरण: - बाह्य परीक्षा -70 + आंतरिक परीक्षा -30

# बाह्य परीक्षा -70

(क) वस्तुनिष्ठ प्रश्न वैकल्पिक

-2x10=20

(ख) लघुउत्तरीय या व्याख्या

-4x5=20

(ग) दीर्घउत्तरीय

-3x10=30

इकाई 01: -सुमन सूरु |

व्याख्यान-10

इकाई 02: -परमानंद पांडे |

व्याख्यान-10

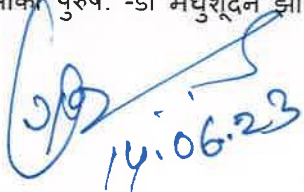
इकाई 03: -गदाधर प्रसाद अम्बष्ठ |

व्याख्यान-10

कुल व्याख्यान-30

# सहायक ग्रंथ:

1. अंगिका साहित्य केरों इतिहास: - डॉ डोमन साहु समीर, डॉ तेजनारायण कुशवाहा, डॉ अमरेन्द्र |
2. अंगिका साहित्य अब तक: -डॉ नरेश पांडे चकोर |
3. अमृत देश: अंग प्रदेश: -डॉ अमरेन्द्र |
4. अंगिका साहित्य के इतिहास: -डॉ अभयकंत चौधारी, डॉ नरेश पांडे चकोर |
5. अंगिका के शलाका पुरुष: -डॉ मधुशूदन झा और भगवती झा |

  
14.06.23

  
14.06.23

# तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर-812007



यू० जी०सी० निर्देशानुसार मानविकी संकाय अंतर्गत अंगिका भाषा साहित्य हेतु चार वर्षीय स्नातक प्रीतिष्ठा के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम |

## सेमेस्टर-II (MDC-II)

(ख) प्राचीन विक्रमशिला आरो बाबा अजगैबीनाथ धाम केरो एतिहासिकता

समय-3 घंटा

पूर्णांक-100

# अंक वितरण: - बाह्य परीक्षा -70 + आंतरिक परीक्षा -30

# बाह्य परीक्षा -70

(क) वस्तुनिष्ठ प्रश्न वैकल्पिक

-2x10=20

(ख) लघुउत्तरीय या व्याख्या

-4x5=20

(ग) दीर्घउत्तरीय

-3x10=30

इकाई 01: -विक्रमशीला के सामान्य परिचय |

व्याख्यान-10

इकाई 02: -विक्रमशीला के उद्भव आरो विकास |

व्याख्यान-10

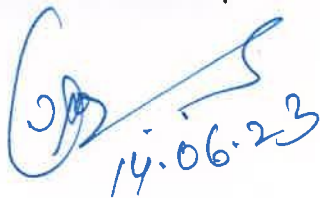
इकाई 03: -अजगैबीनाथ धाम आरो विकास |

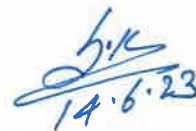
व्याख्यान-10

कुल व्याख्यान-30

# सहायक ग्रंथ:

1. तंत्रवाद: - डॉ अंजनी कुमार 'सुमन' |
2. कहलगाँव का इतिहास: -प्रो० विनय प्रसाद गुप्ता |
3. प्राचीन 'चम्पा': -ज्योति चन्द्र शर्मा |
4. अंगलोक संस्कृति: -डॉ अमरेन्द्र |
5. अमृतदेश अंग प्रदेश: -डॉ अमरेन्द्र |

  
14.06.23

  
14.6.23